अभिनव पंचपदी में नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा

डॉ संतोष कांडपाल

पंचपदी शिक्षण पद्धति

अभिनव पंचपदी आधारित

विद्याभारती की अभिनव पंचपदी शिक्षण पद्धति किसी भी विषय की सम्पूर्ण इकाई की योजना है यह बालकेन्द्रित क्रियाधारित, दर्शन एवं मनोविज्ञान आधारित आदर्श पाठ प्रस्तुति की पद्धति है इसमें पांच पदों का समावेश होता है।

1. अधीति
2. बोध
3. अभ्यास
4. प्रयोग
5. प्रसार - (अ) स्वाध्याय (ब) प्रवचन

अभिनव पंचपदी शिक्षण पद्धति

शिक्षण क्या है ?

- यह एक आध्यात्मिक प्रक्रिया है।
- शिक्षण संस्कृति की प्रणाली है।
- शिक्षण संस्कार प्रक्रिया है।
- शिक्षण शिक्षक एवं शिक्षार्थी दोनों के विकास की प्रक्रिया है।
- शिक्षण शिक्षक का स्वमूल्यांकन है।
- शिक्षण बालक के सर्वांगीण विकास में सहायता प्रदान करता 10 है।

विद्या भारती शिक्षा संस्थान का लक्ष्य

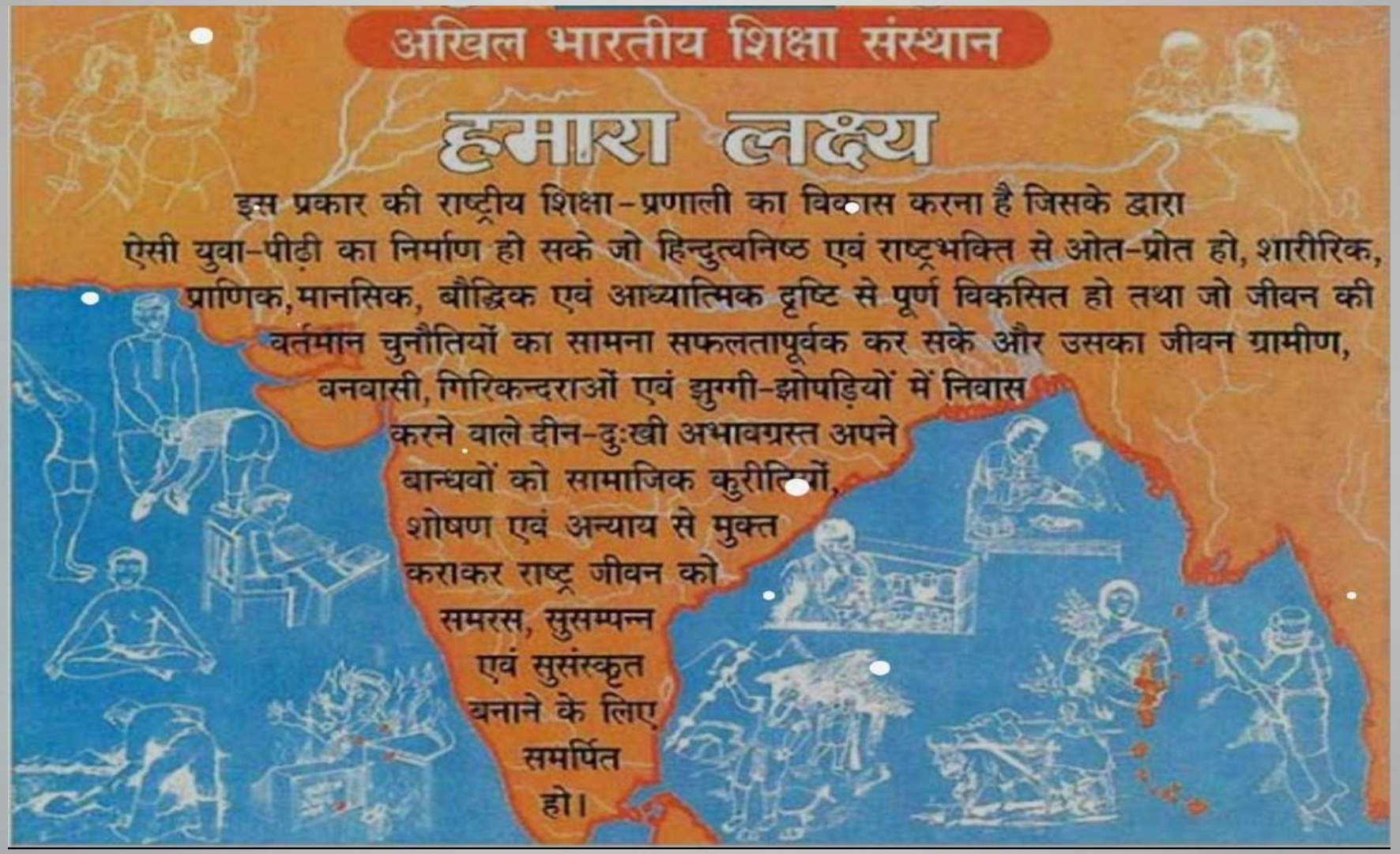

नैतिक और आध्यात्मिक विषयाधारित पाठ्यक्रम

- आज का बच्चा कल का नेता है ।
- आज हमारी शिक्षा में लक्ष्य प्रारंभिक अवस्था से ही बच्चे में मातृभूमि और पैतृक मूल्यों के प्रति प्रेम और सम्मान की भावना पैदा करना होना चाहिए।
- नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा से ही बच्चे में चारित्रिक विकास होगा।
- जो अच्छी आदतें हम चाहते हैं बच्चे को सीखने और अभ्यास करने के लिए बार-बार बताना पड़ता है।
- यह पाठ पहले घर पर माता-पिता द्वारा और फिर स्कूल में शिक्षक द्वारा दिया जाता है।
- अक्सर देखा जाता है कि आज विद्यार्थी माता-पिता की अपेक्षा शिक्षक द्वारा सिखाई गई बातों को अधिक महत्व देता है।
- और यहीं पर छात्रों के भविष्य और बदले में राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में शिक्षकों की भूमिका इतनी महत्वपूर्ण हो जाती है।

- विद्या भारती में कक्षा 1 से 12 तक सभी कक्षाओं के लिए मूल्यपरक शिक्षा का पूरा पाठ्यक्रम बनाया गया है।
- इसके अलावा, सभी शिक्षकों - चाहे वे किसी भी विषय के हों, को पढ़ाते समय नैतिक पहलू का ध्यान रखने के लिए कहा जाता है।
- उदाहरण के लिए, गणित का शिक्षक एक छात्र की सच्चाई, धैर्य और आत्मविश्वास विकसित कर सकता है।
- इसी प्रकार एक विज्ञान शिक्षक विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, सिद्धांतों का पालन, स्वच्छता, स्वाध्याय जैसे गुणों का विकास कर सकता है। इतिहास की कक्षा में विद्यार्थी को राष्ट्रवाद, राष्ट्र प्रेम, राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व सिखाया जा सकता है ।